Course – BA Education Hons, part II
Paper – III (Educational Psychology & Pedagogy)
Topic – Learning
Prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 10 : अधिगम
Unit 10 : LEARNING

10.1 अधिगम का अर्थ (Meaning of Learning) :–

अधिगम का अर्थ है सीखना। इसका व्यवहार हम अपने दैनिक जीवन में प्रायः करते रहते हैं। आम बोलचाल की भाषा में किसी चीज को जानने, समझने या प्राप्त करने की क्रिया को सीखना कहते हैं। परन्तु मनोविज्ञान में सीखने का व्यवहार व्यापक अर्थ में किया गया है। यहाँ सीखने का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन आता है।

ओर्मरोड (Ormrod, 1995) के अनुसार,

"सीखने का तात्पर्य अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन से है, जो अनुभव के कारण व्यवहार या मानसिक साहचर्यों में होता है।"

बैरोन (Baron, 2003) के अनुसार,

"सीखने का तात्पर्य अनुभव के कारण व्यवहार अथवा शक्ति में घटित अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन से है।"

रोबिन्स (Robins, 2005) के अनुसार,

"अधिगम का तात्पर्य अनुभव के कारण व्यवहार में होने वाला अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन से है।"

इन परिभाषाओं से अधिगम के बारे में महत्वपूर्ण बातें पता चलती हैं :–

(i) अधिगम अपेक्षाकृत स्थायी होता है (Learning is relatively permanent)

हमारे व्यवहार का ऐसा परिवर्तन जो अपेक्षाकृत स्थायी होता है, उसे सीखना कहते हैं।

(2) अधिगम एक संभावित या अन्तर्निहित व्यवहार है :-
(Learning is a response potential)

कुछ व्यवहार के परिवर्तन ऐसे होते हैं, जिनकी अभिव्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से निष्पादन में नहीं होती है।

(3) सीखना प्रबलित होता है (Learning is reinforced) :-

सीखने को विलोपन से बचाने के लिए प्रबलन आवश्यक है।

(4) सीखना अभ्यास या अनुभव का परिणाम होता है :-
(Learning is a function of Practice or experience)

हमारे व्यवहार का वह परिवर्तन जो अभ्यास या अनुभव के कारण उत्पन्न होता है, वही सीखना है।

10.2 सीखना तथा परिपक्वता में अन्तर (Difference between Learning and Maturation)

(i) सीखना के फलस्वरूप जो परिवर्तन होता है, उसमें अभ्यास का शामिल होना आवश्यक है। दूसरी ओर परिपक्वता के फलस्वरूप जो परिवर्तन होता है, उसमें अभ्यास शामिल नहीं होता है।

(ii) परिपक्वता का सम्बन्ध आयु की एक निश्चित अवस्था से है, जबकि सीखना का सम्बन्ध आयु की किसी निश्चित अवस्था से नहीं है।

(iii) परिपक्वता के कारण व्यवहार में समानता उत्पन्न होती है। दूसरी ओर सीखना के कारण उत्पन्न व्यवहार में भिन्नता पाई जाती है।

(iv) परिपक्वता की क्रिया एक खास अवस्था तक जारी रहती है और फिर रुक जाती है। दूसरी ओर सीखने की क्रिया की कोई सीमा नहीं होती है। व्यक्ति जीवन भर कुछ-न कुछ सीखता रहता है।

(v) परिपक्वता एक स्वाभाविक क्रिया है, जबकि सीखना एक अर्जित क्रिया है।

(vi) परिपक्वता की चेतना प्रायः व्यक्ति को नहीं रहती है। चूँकि यह स्वाभाविक रूप से चलने वाली प्रक्रिया है, वह पर व्यक्ति का नियंत्रण नहीं के बराबर होता है, इसलिए इसकी चेतना उसे नहीं रहती है। अधिकांश परिस्थिति में सीखने की क्रिया चेतना व्यक्ति को रहती है।

Scanned with CamScanner

10.3 अधिगम की विशेषताएँ (Characteristics of Learning):→

अधिगम की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:—

(i) अधिगम विकास है।
(ii) अधिगम समायोजन है।
(iii) अधिगम अनुभवों का संगठन है।
(iv) अधिगम उद्देश्य है।
(v) अधिगम विवेकपूर्ण व सृजनशील है।
(vi) अधिगम क्रियाशील है।
(vii) अधिगम व्यक्तिगत व सामाजिक दोनों है।
(ix) अधिगम आचरण को प्रभावित करता है।

10.4 अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक (Factors influencing Learning process)

अधिगम की प्रक्रिया अनेक कारकों से प्रभावित होती है। प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं:—

(1) पूर्व अधिगम (Previous Learning):—
बालक कितनी शीघ्रता से अथवा कितनी अच्छी तरह से सीखता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह पहले से क्या सीख चुका है। नवीन अधिगम की प्रक्रिया प्रायः शून्य से प्रारम्भ नहीं होती है, वरन् बालक द्वारा पूर्व अर्जित ज्ञान से प्रारम्भ होती है।

(2) विषय वस्तु (Subject matter):—
अधिगम की प्रक्रिया पर सीखी जाने वाली विषय वस्तु का भी प्रभाव पड़ता है। कठिन व अनावश्यक बातों की अपेक्षा सरल व उपयोगी बातों को बालक अधिक शीघ्रता व सुगमता से सीख लेता है। यदि सीखने वाली विषय सामग्री बालक के लिए व्यक्तिगत उपयोग तथा महत्व रखती है तो बालक उसे सरलता से सीख लेते हैं।

(3) शारीरिक स्वास्थ्य व परिपक्वता (Physical Health & Maturity):—
शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ व परिपक्व बालक सीखने में रुचि लेते हैं। जिससे वे शीघ्रता से नवीन बातों को सीख लेते हैं। इसके विपरीत कमजोर, बीमार व अपरिपक्व बालक सीखने में कठिनाई का अनुभव करते हैं।

(4) मानसिक स्वास्थ्य व परिपक्वता (Mental Health & Maturity):—
मानसिक रूप से स्वस्थ व परिपक्व बालकों में सीखने की क्षमता अधिक होती है।

Scanned with CamScanner

5) अधिगम की इच्छा (Will to learn):-
अधिगम सीखने वाले की इच्छा पर भी निर्भर करता है। यदि बालक में सीखने की दृढ़ इच्छा शक्ति होती है तो वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उस बात को सीख लेता है।

6) प्रेरणा (Motivation):-
प्रेरणा का अधिगम की प्रक्रिया में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। यदि बालक सीखने के लिए प्रेरित नहीं होता है तो वह सीखने के कार्य में रुचि नहीं लेता है। अतः अध्यापक को चाहिए कि वह सीखने से पहले बालकों को सीखने के लिए प्रेरित करे।

7) थकान (Fatigue):-
थकान सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करती है।

8) वातावरण (Atmosphere):-
अधिगम की प्रक्रिया पर वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। शान्त, सुविधाजनक, नैतापूर्ण, उचित प्रकाश तथा वायु वाले वातावरण में बालक प्रसन्नता से व एकाग्रचित होकर सीखता है।

9) सीखने की विधि (Learning methods):-
सीखने की विधि का भी अधिगम की क्रिया में महत्वपूर्ण स्थान होता है। कुछ विधियों से सीखा ज्ञान अधिक स्थायी होता है। खेल विधि या करके सीखना विधि जैसी मनोवैज्ञानिक व आधुनिक विधियों से ज्ञान सुगमता एवं शीघ्रता से प्राप्त किया जाता है तथा यह ज्ञान अधिक स्थायी होता है।

10.5 अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise)

Q1) Define Learning. Describe the difference between maturation and learning.
अधिगम को परिभाषित कीजिए। परिपक्वता तथा अधिगम में अन्तर का वर्णन कीजिए।

Q2. Describe the factors affecting Learning.
अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner